जब मशीनें जागरूक होने लगती हैं, तो बाधाएं अंदरूनी हो जाती हैं

दुनिया की तेजी से बदलती प्रकृति, अर्थव्यवस्था व सामान्य रोजगार परिदृश्य के विषय पर आईआईएम द्वारा दो दिवसीय एचआर शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया। शुक्रवार को कार्यशाला का पहला दिन रहा। जिसमें आईआईएम रायपुर के निदेशक सहित कई दिग्गज शामिल हुए।

आईआईएम में दो दिवसीय एचआर शिखर सम्मेलन, एक्सपर्ट्स ने दिए मैनेजमेंट टिप्स

रायपुर। इस दौरान आईआईएम निदेशक प्रोफेसर भारत भास्कर ने अपने व्याख्यान में बेरोजगार वृद्धि के मुद्दे पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि संगठन अभी भी इसे एक टाइट आईटी हैंडशेक के साथ हासिल कर सकते हैं, लेकिन चीजें गड़बड़ा भी सकती हैं। कुशल प्रबंधन द्वारा ही अनिश्चितता की स्थिति को दूर किया जा सकता है।

पूर्ण डिजिटल में डिजिटल गुणवत्ता कैसे

एक संस्था में अतिरिक्त महाप्रबंधक के रूप में कार्यरत वीके सिंग अपने व्याख्यान में कहा, जब हम पूर्ण डिजिटल की ओर बढ़ रहे हैं, तो उस डिजिटल की गुणवत्ता क्या है और क्या यह वैश्विक संदर्भ में पर्याप्त है, इस संदर्भ में सोचना जरूरी है। इस बात पर प्रोफेसर लक्ष्मण ने बताया की कैसे सीखने की उत्सुकता, जोखिम लेने की क्षमता, लगातार गिरने और वापस उठकर खड़े होने की क्षमता, सभी कॉर्पोरेट दुनिया में स्थापित होने के लिए अविश्वसनीय रूप से आवश्यक हैं।

अनलर्निंग के महत्व पर जोर दिया

भारतीय ऑयल निगम लिमिटेड के अध्यक्ष संजीव सिंह ने कहा की इस युग में अनलर्निंग के महत्व पर जोर दिया जाना चाहिए। उन्होंने बताया की कैसे हम अपनी सफलताओं के बजाए अपनी असफलताओं और चूकों से अधिक सीखते हैं। परिवर्तनों के प्रतिकूल प्रभाव से संगठनों को बचाने के समाधान स्वरूप लोगों और प्रौद्योगिकी के बीच सही संतुलन बनाना जरूरी है। इस दौरान एचसीएल टेक्नोलॉजी के सीनियर एचआर आर.आनंद ने कहा की डिजिटलीकरण मध्यस्थ की मृत्यु के अलावा कुछ भी नहीं है। जब मशीनें जागरूक होने लगती हैं, तो बाधाएं अंदरूनी हो जाती हैं ।

Haribhoomi 4th Aug 2018, P.17